SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2001 - 2002

आंध्राबैंक आन्ध्रा बैंक Andhra Bank

(भारत सरकार का उपक्रम/A Govt. of India Undertaking)

नये अध्याय की ओर
Turning a New Leaf

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

श्री बी. वसन्तन
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
Sri B. Vasanthan
Chairman & Managing Director

श्री जी.एस. दत्त
वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
Sri G.S. Dutt
MoF, New Delhi

श्री एस.एस. गंगोपाध्याय
भारतीय रिजर्व बैंक
Sri S.S. Gangopadhyay
Reserve Bank of India

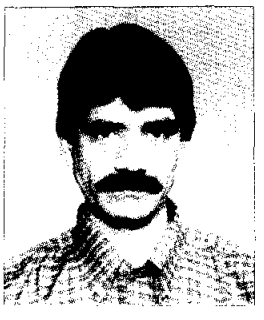

श्री के. हरि बाबु
Sri K. Hari Babu

श्री बी. प्रकाश
Sri B. Prakash

श्री कासु सुधाकर
Sri Kasu Sudhakar

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची/CONTENTS

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से/From the Chairman & Managing Director 3
- वार्षिक साधारण बैठक की सूचना/Notice of Annual General Meeting 5
- निदेशकों की रिपोर्ट/Directors' Report 7
- प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण/Management Discussion and Analysis 23
- कार्पोरेट गवर्नेन्स/Corporate Governance 31
- तुलन पत्र/Balance Sheet 46
- लाभ व हानि लेखा/Profit and Loss Account 47
- लेखों पर टिप्पणियाँ/Notes on Accounts 57
- लेखा नीतियाँ/Accounting Policies 65
- लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट/Auditors' Report 69
- नकदी प्राप्ति विवरण/Cash Flow Statement 71
- प्रगति का विहंगावलोकन/Progress at a Glance 73
- मुख्य निष्पादन अनुपात/Key Performance Ratios 75
- विदेशी मुद्रा में संक्षिप्त वित्तीय विवरण/Abridged Financial Statements in Foreign Currency 77
- शाखाओं का वर्गीकरण - समूहवार - जनसंख्या /Classification of Branches - Population Group Wise 78
- अनुषंगी संस्थाओं के वित्तीय विवरण/Financial Statements of Subsidiaries
  - i) आन्ध्रा बैंक हाउसिंग फाईनैन्स लिमिटेड/Andhrabank Housing Finance Limited 79
  - ii) आन्ध्रा बैंक फाईनैंशियल सर्विसेस लिमिटेड/Andhra Bank Financial Services Limited 103
- आन्ध्रा बैंक एवं इसकी अनुषंगियों के समेकित वित्तीय विवरण
  Consolidated Financial Statements of Andhra Bank and its subsidiaries 142
- परोक्षी फार्म/Proxy Form 169
- उपस्थिति पत्रक, प्रवेशपत्र/Attendance Slip, Entry Pass 171

लेखा परीक्षक Auditors

एच. गंभीर एण्ड कं., नई दिल्ली
H. Gambhir & Co., New Delhi

के.सी. भट्टाचर्जी एण्ड पॉल, कोलकता
K.C. Bhattacherjee & Paul, Kolkata

वाही एण्ड गुप्ता, नई दिल्ली
Wahi & Gupta, New Delhi

एस.आर.मोहन एण्ड कं., हैदराबाद
S.R. Mohan & Co., Hyderabad

अब्राहम एण्ड जोस, कोच्चि
Abraham & Jose, Kochi

सी आर सागदेव एण्ड कं., नागपुर
C.R. Sagdeo & Co., Nagpur

रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट
Registrar & Share Transfer Agent

मेसर्स एम सी एस लि.
(यूनिट आन्ध्रा बैंक)
श्री वेंकटेश्वर भवन, प्लाट संख्या 27, रोड नं 11
एम आई डी सी एरिया, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई - 400 093.

M/s MCS Ltd.,
(Unit: Andhra Bank)
Sri Venkatesh Bhavan, Plot No. 27, Road No. 11
M.I.D.C. Area, Andheri (East), MUMBAI-400 093.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

शेयरधारकों का मूल्य बढाते हुए बाजार-पूँजीकरण में रु.360 करोड से रु.751 करोड तक की वृद्धि हुई है.

प्रिय शेयरधारको,

वर्ष 2001-02 आपके बैंक के लिए इसकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है. विश्व अर्थव्यवस्था की मंदी एवं सितम्बर 11,2001 के आतंकवादी हमलों के प्रतिकूल प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था में आयी परीक्षा की घडियों के बावजूद अर्थव्यवस्था ने जीडीपी वृद्धि दर पिछले वर्ष 4% की तुलना में 5.4% दर्ज की है.

वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत अच्छा कार्यनिष्पादन किया है. आपके बैंक का कुल व्यवसाय रु. 25,992 करोड से 28,472 करोड तक बढ गया है जो 9.54% की वृद्धि है. कुल जमाराशि रु. 17,973 करोड के विरुद्ध लगभग 18,303 करोड बढ गयी है. वर्ष के दौरान, बैंक ने जमाराशियों की लागत कम करने का सचेतन निर्णय लिया है एवं तदनुसार जमाराशियों पर अधिमान्य दर में प्राय: 2000 करोड तक अदा किया है. इसके परिणामस्वरूप जमाराशियों की लागत 8.51% से 8.20% को घट गयी है. तथापि अधिमान्य दर की जमाराशियों को छोडकर कुल जमाराशियों में 17.3% वृद्धि दर दर्ज की है.

29.62% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए, सकल बैंक ऋण रु.7,700 करोड से रु.9,981करोड तक बढ गया है जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा प्राप्त अधिक वृद्धि दर में एक है. तत्पश्चात् बैंक का ऋण-जमा अनुपात 42.84% से 54.53% तक बढ गया है. यह वृद्धि बैंक को अपने लाभ बढाने में सहायक हुई है.

वर्ष 2001-02 के दौरान, आन्ध्र प्रदेश राज्य में बैंक ने स्वयं सहायक दल-बैंक लिंकेज कार्यक्रम में प्रथम स्थान बनाये रखा है. हमने आन्ध्र प्रदेश राज्य में 27,349 स्वयं सहायक दलों को रु.61.04 करोड तक ऋण वितरित किया है.

वर्ष के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड के क्षेत्र में बैंक ने 1.93 लाख किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये हैं जो 1.89 लाख के लक्ष्य से अधिक है. इस प्रकार गत चार वर्ष में बैंक आन्ध्र प्रदेश में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में अग्र स्थान बनाये रखता आ रहा है. लघु क्षेत्र, लघु व्यापारियों एवं कारीगरों आदि की सहायता के लिए बैंक ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने में लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड [एलयूसीसी] प्रारंभ किया है. बैंक ने विशेष कृषि ऋण आयोजना [एसएसीपी] के अंतर्गत रु.1,069.84 करोड का उधार देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित रु. 895 करोड के लक्ष्य को पार किया है जो 26.88% वृद्धि दर है. निवल बैंक ऋण के बकाया कृषि ऋण 18% तक लाने के बैंक के प्रयास जारी हैं. हम मार्च 2003 तक इस स्तर तक पहुँचने की आशा करते हैं.

बैंक ने विभिन्न स्तरों पर नियमित अंतरालों में एनपीए को मानीटर कर एवं नियंत्रण प्रणाली में और दृढता लाते हुए अनर्जक आस्तियों को कम करने के लिए पर्याप्त उपाय किये हैं. बैंक के सकल एनपीए 31.3.2001 को 2.95% से 31.3.2002 को 2.45% तक घट गया है. सकल एनपीए जो पिछले वर्ष 6.13% था, वह मार्च 2002 तक 5.26% तक कम हो गया है.

आपके बैंक द्वारा अनुसरित विवेकपूर्ण नीति के अनुसार बैंक ने 54.22% तक प्रावधान करते हुए सकल एनपीए को कवर किया है. आपको यह सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि बैंक के निवल एनपीए की स्थिति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में निम्नतम है.

वर्ष के दौरान, 67% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए बैंक रु. 202.27 करोड का निवल लाभ प्राप्त कर सका है. परिचालनात्मक लाभ 31.3.2001 के रु. 248.72 करोड से 31.3.2002 को रु. 425.38 तक बढ गया है. यह लाभ गत वर्ष कार्यान्वित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना [वीआरएस 2000] के अंतर्गत असाधारण व्यय रु.39.47 करोड बट्टे खाते में डालने के बावजूद है. अर्थव्यवस्था में प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद बैंक की अंतर्निहित शक्तियों के समुत्थान को फिर से मजबूत किया जाता है. बैंक ने गतवर्ष के दौरान प्रदत्त 10% लाभांश के विरुद्ध वर्ष 2001-2002 के लिए शेयरधारकों को 14% लाभांश घोषित किया है. हम लेनदेन लागतों समेत परिचालनगत व्यय कम करने में ध्यान केंद्रित करते हैं. बैंक द्वारा किये गये प्रयासों के परिणामस्वरूप, आय के संबंध में परिचालनगत व्यय जो 64.73% था, 51.63% को घट गया है. इस प्रकार, निवल ब्याज आय एवं अन्य आय के लिए स्टाफ लागतों का अनुपात 48.05% से 35.46% तक कम हो गया है.

शेयरधारकों का मूल्य बढाते हुए आपके बैंक के बाजार-पूँजीकरण में 3.8.2001 के रु.360 करोड से 17.6.2002 को रु.751 करोड तक की वृद्धि हुई है.

सुदृढ ब्रांड ईक्विटी के निर्माण हेतु बैंक की वचनबद्धता निभाने के लिए बैंक ने वैयक्तिक बैंकिंग की संकल्पना प्रारंभ की है एवं वैयक्तिक क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विद्यमान शाखाओं के एक अभिन्न अंग के रूप में 175 वैयक्तिक बैंकिंग केंद्रों की स्थापना की. ये केंद्र वैयक्तिक क्षेत्र के गृह निर्माण, शिक्षा, वाहन एवं उपभोक्ता वस्तुएँ आदि के लिए ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्रिय रूप से जुडे हुए हैं. यह जानकर आपको प्रसन्नता होगी कि 6 महीने की अल्पावधि के दौरान, ये केंद्र देश के 63700 से अधिक एकल उधारकर्ताओं को रु.502 करोड तक ऋण मंजूर कर सके. बैंक का ग्राहक-आधार 31.3.2002 को 10 मिलियन के महत्वपूर्ण मुकाम को पार किया है. संपर्क बैंकिंग पर और जोर देनेे के लिए बैंक की नीति के अनुरूप हमने पहली बार ग्राहक संपर्क अधिकारियों की संकल्पना प्रारंभ की है. इन अधिकारियों को विपणन, व्यक्तित्व विकास, ग्राहक-ध्यान के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया है. लगभग 100 ऐसे अधिकारी क्षेत्र में हैं जो बैंक एवं इसके विद्यमान एवं भविष्य के ग्राहकों के बीच सेतु जैसा कार्य करते हैं.

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बैंक को सर्वांगीण प्रौद्योगिकी वातावरण में रखने के लिए बैंक प्रयास कर रहा है. बैंक ने गत वर्ष की 382 शाखाओं की तुलना में 31.3.2002 को 621 शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत किया है जो हमारे कुल व्यवसाय का 82.55% कवर करती हैं. जब तक यह पत्र आप तक पहुँचेगा तब तक पूरे देश में 24 घंटों के लिए सर्वत्र बैंकिंग सुविधा देते हुए, बैंक में 75 एटीएम का नेटवर्क होगा. हम मार्च 2003 तक इस संख्या को कम से कम 200 तक बढाने की आशा करते हैं. चालू वर्ष के दौरान विभिन्न अन्य ग्राहक-सेवी उत्पाद प्रारंभ करने का प्रस्ताव है. ये उपाय उत्पादकता एवं कार्यक्षमता बढाने तथा लेनदेन लागत कम करने के लिए मार्ग सुगम करेंगे.

बैंक ने अपने भविष्य के लिए नक्शा बनाया है जिसमें इसके गैर-ब्याज आय बढाने के लिए कई उपाय भी सम्मिलित हैं. हमने हाल ही में युनाइटेड इंडिया इंसुरेंस कम्पनी के साथ उनके कार्पोरेट-एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए टाई-अप किया है जो अपेक्षित विधान प्राप्त होते ही अमल में लाया जाएगा. हम जीवन बीमा उत्पादों एवं म्युच्युअल फंड उत्पादों की बिक्री के लिए टाई-अप करने का विचार कर रहे हैं. हमें विश्वास है कि ये उपाय बैंक की लाभप्रदता को और बढाएंगे. ये उपलब्धियाँ इसलिए संभव हो सकीं क्योंकि हमको आपका, पूरे देश में हमारे 10 मिलियन सुदृढ ग्राहक-आधार एवं हमारे 12800 सुदृढ स्टाफ का अनवरत समर्थन प्राप्त हुआ है.

"परिवर्तन प्रबंधन" बैंकिंग उद्योग द्वारा सामना की गयी एक प्रमुख चुनौती है. सूचना प्रौद्योगिकी के तुरंत पुराने पड जाने, निर्दिष्ट सीमाओं का लुप्त हो जाने, आक्रामक प्रतिस्पर्धा, सूक्ष्म-विभाजन एवं उपभोक्ता का अनिश्चित व्यवहार तथा ग्राहकों की आवश्यकताओं का अविलंब परिवर्तन उद्योग के लिए कुछ चुनौतियाँ हैं. प्रबंधन-शैली, जिस रूप में अब ग्राहकों एवं जनसाधारण से व्यवहार किया जा रहा है, में परिवर्तन की आवश्यकता महसूस की जा रही है. परिवर्तित आवश्यकताओं के साथ चलने हेतु बैंक अपने कार्मिकों के कौशल-विकास को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्रवाई करता आ रहा है. प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी एवं यदि हम उद्योग में उत्तमता के अनुरूप हमारे मन को पुन:उन्मुख न करें, एवं बेंचमार्क स्थापित न करें और ग्राहक केंद्रित संगठन न बनाएँ तो अस्तित्व बनाये रखने के लिए समस्याएँ आएंगी. बैंक इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एवं हमारे शेयरधारकों को वर्षानुवर्ष बेहतर लेखा-जोखा देने के लिए पूरी तरह तैयार है.

अंत में, मैं आपको सूचित करना चाहूँगा कि हमारे सभी बहुमूल्य ग्राहकों को आन्ध्रा बैंक के साथ बैंकिंग में सुखद अनुभव सुनिश्चित करते हुए शेयरधारकों का मूल्य बढाने में सभी आवश्यक उपाय करने में बैंक वचनबद्ध है. मुझे विश्वास है कि भविष्य एक सुदृढ बैंक बनाने के लिए छिपी हुई शक्तियों को उजागर करेगा जिससे और अच्छे परिणाम सामने आएंगे.

आपके अविरत समर्थन की आशा करते हुए,

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका,

बी.वसन्तन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Market capitalisation moves from Rs.360 crore to Rs.751 crore adding value to shareholders

Dear Shareholder,

The year 2001-2002 was an eventful year for your Bank with significant achievements to its credit. Inspite of the testing times witnessed by the Indian economy due to the global slow down compounded by the adverse impact of 11th Sep' 2001 terrorist attacks, the economy registered a GDP growth rate of 5.4% compared to 4% in the previous year.

During the year, the Bank has performed well under many parameters. The total business of your Bank improved from Rs.25,992 crore to Rs.28,472 crore registering a growth of 9.54%. The aggregate deposits increased marginally to Rs.18,303 crore as against Rs.17,973 crore. During the year, the Bank took a conscious decision to reduce the cost of deposits and accordingly repaid the deposits at preferential rates aggregating to nearly Rs.2,000 crore. This has resulted in cost of deposits coming down from 8.51% to 8.20%. However, the aggregate deposits excluding deposits carrying preferential rates registered a growth rate of 17.3%.

The Gross Bank Credit increased from Rs.7,700 crore to Rs.9,981 crore registering growth of 29.62%, which is one of the highest among the growth rates achieved by Public Sector Banks. Consequently the credit deposit ratio of the Bank improved from 42.84% to 54.53%. This growth has helped the Bank in no small measure to improve its bottomlines.

The Bank has retained No.1 position in Self Help Groups - Bank Linkage Programme in the state of Andhra Pradesh during the year 2001-02. We have financed 27,349 Self Help Groups with credit disbursements amounting to Rs.61.04 crore in the state of Andhra Pradesh. In the area of Kisan Credit Cards, the Bank has issued 1.93 lakhs Kisan Credit Cards during the year, surpassing the target of 1.89 lakhs. Thus the Bank continues to maintain the lead position amongst the Scheduled Commercial Banks in Andhra Pradesh during the last four years. The Bank has also launched in conformity with national priorities the Laghu Udhyami Credit Card (LUCC) to assist the small scale sector, small traders and artisans etc. The Bank has under "Special Agricultural Credit Plan (SACP)" lent Rs.1,069.84 crore duly surpassing the target of Rs.895 crore fixed by the Reserve Bank of India with growth rate of 26.88%. Effort of the Bank to take outstanding agricultural credit to 18% of the Net Bank Credit continues. We expect this level to be reached by March, 2003.

The Bank has undertaken adequate steps to contain the non-performing assets by monitoring NPAs at frequent intervals at various levels as well as by strengthening further the control systems. The Net NPAs of the Bank has come down from 2.95% as on 31.3.2001 to 2.45% as on 31.3.2002. The gross NPAs which were at 6.13% in the previous year has come down to 5.26% as at March, 2002. In tune with the prudent policy followed by your Bank, the Bank has covered the gross NPAs to the extent of 54.22% by provisioning. I am glad to inform you that net NPAs position of the Bank is one of the lowest among the Public Sector Banks.

During the year, the Bank could register a net profit of Rs.202.27 crore, registering a growth rate of 67%. The operating profit has increased from Rs.248.72 crore as on 31.3.2001 to Rs.425.38 crore as on 31.3.2002. This is inspite of writing-off the extraordinary expenditure of Rs.39.47 crore on account of expenditure under Voluntary Retirement Scheme (VRS 2000) implemented last year.

The inherent strengths of the Bank being resilient inspite of adverse conditions in the economy is once again reinforced. The Bank has declared a dividend of 14% to the shareholders for the year 2001-02 as against a dividend of 10% paid during the previous year. Our focus is to reduce the operating expenses including transaction costs. As a result of the efforts put in by the Bank, the operating expenses to income, which was at 64.73% has come down to 51.63%. Likewise, the ratio of staff costs to net interest income plus other income has also come down to 35.46% from 48.05%.

The market capitalisation of your Bank moves from Rs.360 crore as on 3.8.2001 to Rs.751 crore as on 17.6.2002 adding value to shareholders.

In consonance with the commitment of the Bank to build a strong brand equity, the Bank has introduced the concept of Personal Banking and set up 175 Personal Banking Centers as an integral part of the existing branches to meet the various requirements of the personal segment. These centers have been actively involved in meeting the credit requirements for housing, education, vehicles and consumer durables etc., of the personal sector. You will be glad to note that during a short span of a period of six months, these centers could sanction credit to the extent of Rs.502 crore to more than 63,700 individual borrowers across the country. The Bank's client base as on 31.3.2002 has crossed an important milestone of 10 million.

In tune with the policy of the Bank to give further thrust to relationship banking, we have for the first time introduced the concept of Client Relationship Officers. These Officers were trained in various aspects of marketing, personality development and customer care. Nearly 100 such Officers are in the field, to operate as an interface between the bank and its clients, existing as well as future.

In the field of technology, the efforts of the Bank has been to place the Bank on a versatile technology environment. The Bank has computerised 621 branches as on 31.3.2002 compared to 382 in the previous year which covers 82.55% of our total business. By the time, this letter reaches you, the Bank would have networked 75 ATMs across the country providing "Anywhere Banking" for 24 hours. We expect this number to grow to atleast 200 by March, 2003. Various other customer savvy products are proposed to be launched during the current year. These measures will pave the way for achieving higher productivity, efficiency and reduction in transaction costs.

These achievements were possible because of the unstinted support provided to us by you, our 10 million strong customer base across the country and our 12,800 strong work force.

The Bank has drawn a blue print for its future which also include series of measures to improve its non interest income. We have recently had a tie-up with United India Insurance Company to operate as their corporate agent as soon as required legislation is in place. We are also considering tie up for sale of life insurance products as well as mutual fund products. These initiatives, we are sure will further improve the profitability of the Bank.

The "change management" is a major challenge facing the banking industry. Rapid obsolescence in information technology, disappearance of natural boundaries, aggressive competition, micro-segmentation and uncertain consumer behaviour, fast changing needs of the customers are some of the challenges concerning the industry. There is a felt need for changes in management style, the way we interact with customers and the members of the public. To keep abreast of the changing needs, the Bank has been taking continuous steps to ensure skill development of its personnel. Competition has come to stay and unless we reorient our mind set and set benchmarks in tune with the best in the industry and become customer centric organisations, survival will pose problems. The Bank is fully geared to meet these challenges and give a better account of itself year after year to all our stakeholders.

Finally, I would like to inform you that the Bank is committed to take all the necessary steps to enhance the stakeholders value while ensuring banking with Andhra Bank is a pleasant experience to all our valued customers. I am confident that future will kindle the hidden energies in us to map out a stronger Bank that will DELIVER still better.

Looking forward to your continued support.

With warm greetings,

Yours sincerely,

B.Vasanthan
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक Andhra Bank
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्र.का: डा. 5-9-11,पट्टाभि भवन, सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्रा बैंक शेयर धारकों की द्वितीय वार्षिक साधारण बैठक शनिवार, दि 03 अगस्त 2002 को प्रातः 11 बजे शिल्प कला वेदिका, शिल्पारामम, क्राफ्टस विलेज, हाईटेक सिटी के पास, मादापुर, हैदराबाद -500 081 में निम्नलिखित व्यवसाय के लेनदेन के लिए आयोजित की जाएगी .

31 मार्च 2002 को बैंक का तुलनपत्र, 31 मार्च 2002 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ - हानि लेखा, लेखा-अवधि में शामिल बैंक की कार्य प्रणाली तथा गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं तुलन - पत्र एवं लेखों पर लेखा - परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा.

हैदराबाद
10.6.2002

(वी.वसन्तन)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियाँ:

1. **परोक्षी की नियुक्ति**

   बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं एवं ऐसा परोक्षी बैंक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है. परोक्षी को प्रभावी बनाने के लिए बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व यानी 29.7.2002 तक बैंक के प्रधान कार्यालय में अवश्य जमा/दर्ज हो जानी चाहिए. ऐसे व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा परोक्षी नियुक्त नहीं किया जाएगा, जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी हो.

2. **प्रतिनिधि की नियुक्ति**

   कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने या वोट देने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक वह संकल्प, जिसमें उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया हो और बैठक के अध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हो, की प्रति बैक के प्रधान कार्यालय में बैठक के चार दिन पहले जमा नहीं करता है.

3. **उपस्थिति पत्रक**

   शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पत्रक भरकर एवं उसमें दिये गये खाली स्थान पर हस्ताक्षर करके उसे बैठक स्थल पर जमा कर दें. परोक्षी/ प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक पर परोक्षी या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें.

4. **शेयरधारक के रजिस्टर को बंद रखना**

   बैंक को शेयरधारक सदस्यों का वार्षिक साधारण बैठक में उपस्थित होने के लिए पात्र सदस्यों की सूची बनाने के उद्देश्य से 29 जुलाई 2002 से 2 अगस्त 2002 तक [दोनों दिन सम्मिलित हैं] बंद रखा जाएगा.

5. **लाभांश**

   वर्ष 2001-2002 के लिए बैंक ने 14 प्रतिशत लाभांश घोषित किया एवं लाभांश शेयरधारकों, जिनके नाम 26 जून 2002 को शेयरधारक रजिस्टर में हों, को 2 जुलाई 2002 को अदा किया गया है.

6. **नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं.) लि. के साथ इलेक्ट्रानिक फार्म में बैंक शेयर होना.**

   बैंक ने निर्गमकर्ता कम्पनी के रूप में अपने शेयरों को डीमैटिरियलाइजेशन के लिए नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. [एनएसडीएल] व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं) लि.[सीडीएसएल] से करार किया है. डीमैटीरियलाईजेशन का अनुरोध संबंधित डिपाजिटरी सहभागियों के जरिए हमारे रजिस्ट्रार एवं अंतरण अभिकर्ता मेसर्स एम सी एस लिमिटेड, मुम्बई को भेजना है.

7. **लाभांश के लिए बैंक का आदेश पत्र या इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस)**

   निवेशकों को अपने लाभांश वारंट के धोखा नकदीकरण से बचाने के लिए बैंक ने इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा की सुविधा बैंक ने उन शेयरधारकों को दी है जिनके बैंक खाते निम्न केंद्रों में हैं, मुम्बई, नई दिल्ली, कोलकता, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलूर, हैदराबाद, पुणे, कानपुर, नागपुर, जयपुर, चंडीगढ, पटना, भुबनेश्वर, गुवाहाटी एवं तिरुवनंतपुरम.

   बैंक ने ईसीएस आदेश पत्र उक्त केंद्रों के शेयरधारकों को पहले ही ईसीएस सुविधा उपलब्ध करने के लिए भेज दिया गया है.

8. **पन्नों का समेकन**

   शेयरधारक, जिन्होंने एक ही क्रम के नाम से एक से अधिक खातों में शेयर रखें हैं, से अनुरोध है कि वे रजिस्ट्रर व अंतरण एजेंट को ऐसे खातों के लेजर पन्नों का विवरण शेयर सर्टिफिकेट के साथ भेज दें ताकि बैंक द्वारा सभी का समेकन एक ही खाते में किया जा सके. शेयर सर्टिफिकेट बाद में आवश्यक पृष्ठांकन के बाद सदस्यों को लौटा दिये जाएंगे.

9. **अंतरण के लिए जमा करना**

   शेयर सर्टिफिकेट, अंतरण विलेख के साथ बैंक के रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट को निम्न पते पर भेजा जाय.
   मेसर्स. एमसीएस लि. (यूनिट : आन्ध्रा बैंक)
   श्री वेंकटेश भवन, प्लाट नं.27, रोड नं.11,
   एमआईडीसी एरिया, अंधेरी (पश्चिम), मुबई - 400 093

10. **शेयरधारकों से अनुरोध**

   क) कृपया नोट करें कि वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियाँ वार्षिक साधारण बैठक में एक मितव्ययता के उपाय के रूप में वितरित नहीं की जाएंगी. अतः शेयरधारकों से अनुरोध हैं कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लाएँ.

   ख) **सदस्य कृपया नोट करें कि बैठक के दौरान कोई उपहार/कूपन नहीं बाटे जायेंगे.**

   ग] शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे बैग/ब्रीफकेस/टेपरिकार्डर/कैमरा आदि अपने साथ न लाएँ क्योंकि ये वस्तुएँ सुरक्षा जाँच के अधीन हैं, इनके लाने से हाल में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी जा सकती है.

बैंक चाहता है कि यदि शेयरधारक वार्षिक साधारण बैठक में कोई सुझाव देना या स्पष्टीकरण चाहते हों तो वे अपने सुझाव, शंका आदि बैंक के प्रधान कार्यालय के शेयर संविभाग एवं निवेशक सेवा अनुभाग को भेज सकते हैं जो कम से कम बैठक की तिथि के सात दिन से पहले प्राप्त हो सके ताकि वार्षिक साधारण बैठक में अधिक फलप्रद विचार विमर्श किया जा सकें.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक Andhra Bank
(A Govt. of India Undertaking)
H.No. 5-9-11, Dr. Pattabhi Bhavan, Saifabad, Hyderabad –500 004

NOTICE

Notice is hereby given that the second Annual General Meeting of shareholders of Andhra Bank will be held at Shilpa Kala Vedika, Shilparamam, Crafts Village, Near Hi-tec City, Madhapur, Hyderabad – 500 081, on Saturday, 3rd August, 2002, at 11.00 am to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2002, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2002, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditors Reports on the Balance Sheet and Accounts.

Hyderabad
22.06.2002

(B. Vasanthan)
Chairman & Managing Director

NOTES

1. Appointment of Proxy

   The shareholder entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself and such proxy need not be a share holder of the Bank. The proxy, in order to be effective, must be deposited/lodged at the Head Office of the Bank at least four days before the date of the meeting latest by 29.07.2002. No employee of the Bank shall be appointed as duly authorized representative or a proxy.

2. Appointment of a representative

   No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorized representative of a company, unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorized representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Hyderabad not less than four days before the date of the meeting.

3. Attendance slip cum entry pass

   For the convenience of the members, Attendance slip is annexed to this Report. Members are requested to fill in and affix their signatures in the space provided therein, and handover the Attendance slip cum Entry pass at the entrance of the venue of the meeting. Proxy / Representative of the shareholder should mark on the attendance slip as Proxy or Representative as the case may be.

4. Closure of Register of Shareholders

   The Register of shareholder members of the Bank will remain closed from 29th July, 2002 to 2nd August, 2002 (both days inclusive) for the purpose of arriving at the list of members eligible for attending the Annual General Meeting.

5. Dividend

   The Bank has declared a dividend of 14% for the year 2001 – 2002 and the dividend has been paid to the shareholder on 2nd July, 2002 whose names appeared in the Register of Shareholder members as on 26th June, 2002.

6. Holding Bank Shares in electronic form with National Securities Depository Limited and Central Depository Services (India) Limited

   The Bank has entered into agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an issuer company for Dematerialisation of Bank's Shares. Request for Dematerialisation may be sent through respective Depository Participants to our Registrars and Transfer Agents M/S.MCS Limited, Mumbai.

7. Bank mandate for dividend or Electronic Clearing Service (ECS):

   In order to protect the investors from fraudulent encashment of their dividend warrants, the Bank has offered Electronic Clearing Service facility to the shareholders having Bank accounts at the following Centres:

   Mumbai, New Delhi, Kolkota, Chennai, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad, Pune, Kanpur, Nagpur, Jaipur, Chandigarh, Patna, Bhubaneswar, Guwahati and Tiruvananthapuram.

   Bank has sent ECS mandates to the shareholders of the above centers well in advance to avail the ECS facility

8. Consolidation of Folios

   The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Transfer Agent, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.

9. Lodgement for Transfers

   Share Certificates along with transfer deed should be forwarded to the Registrars and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:
   M/s MCS Limited (Unit Andhra Bank),
   Sri Venkatesh Bhavan, Plot No. 27, Road No. 11, M.I.D.C. Area, Andheri (East), Mumbai – 400 093.

10. Request to shareholders

    (a) Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting as an Economy measure. Hence, shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting

    (b) Shareholders may kindly note that no gifts/ coupons will be distributed at the venue of the meeting.

    (c) Shareholders are advised to avoid bringing bags/ briefcases/tape recorders/cameras etc., as these items are subject to a security check and may not be allowed at the venue.

Bank shall highly appreciate if shareholders, desirous of making any suggestion, seeking clarifications, etc, at the Annual General Meeting, send their suggestions, queries, etc. so as to reach the Shares Division & Investors Services Section at Head Office of the Bank atleast 7 days before the date of meeting, to facilitate more fruitful deliberations at the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट 2001-2002

31 मार्च 2002 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन पत्र एवं लाभ एवं हानि लेखा समेत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को विशेष प्रसन्नता हो रही है.

मैक्रो आर्थिक विकास

भारत की अर्थव्यवस्था में वर्ष 2001-02 एक विषम वर्ष रहा है. वर्ष 2001-2002 के दौरान विश्व की अर्थव्यवस्था में काफी मंदी आयी है एवं सेवाओं एवं व्यापार पर पडे सितंबर 11, 2001 की घटनाओं के प्रतिकूल प्रभाव द्वारा व्यापारिक मंदी की प्रवृत्तियाँ बढ गयीं. बाद में निर्यात की वृद्धि को क्षति पहुँची एवं पण्य एवं उत्पाद के कम मूल्यों के कारण औद्योगिक लाभप्रदता भी प्रभवित हुई.

इन प्रतिकूल प्रभावों के बावजूद केन्द्रीय सांख्किकीय संगठन (सीएसओ) के प्राक्कलन के अनुसार देश की जीडीपी वृद्धि वर्ष 2000-01 में 4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2001-02 में 5.4 प्रतिशत हुई . यह मुख्यत: कृषि एवं अनुषंगी क्षेत्रों द्वारा अभिलेखित वृद्धि 5.7 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्रों द्वारा दर्ज की गयी वृद्धि 6.5 प्रतिशत के कारण है, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.3 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ पीछे रह गया है.

खाद्यान्नों का उत्पादन वर्ष 2000-01 में 196 मिलियन टन (एमटी) के विरुद्ध वर्ष 2001-2002 के दौरान 209 मिलियन टन (एमटी) तक बढने की आशा की जाती है.

संदर्भित अवधि के दौरान घाटे व्यापार में मॉडरेशन एवं सुदृढ पूँजी एवं अन्य आगमनों के कारण भारत की विदेशी मुद्रा प्रारक्षितियों में अच्छी वृद्धि जारी रही. विदेशी मुद्रा प्रारक्षितियाँ गत वर्ष के दौरान यूएस डॉलर 42.3 बिलियन के विरुद्ध मार्च 2002 के अंत तक यूएस डॉलर 54.1 बिलियन रहा है. विदेशी मुद्रा प्रारक्षितों में विदेशी मुद्रा आस्तियों की 97 प्रतिशत वृद्धि हुई है जो एक ही वर्ष में दर्ज की गयी उच्चतम वृद्धि है एवं अपनी भुगतान-संतुलन (बीओपी) स्थिति के सक्षम प्रबन्धन के लिए भारत की क्षमता पर देशीय एवं अंतर्देशीय विश्वास का प्रमाण है. बाह्य ऋण जीडीपी अनुपात मार्च 1991 के अंत तक के 28.7 प्रतिशत से सितंबर 2001 के अंत को 21 प्रतिशत तक घट गया है.

2001-02 के दौरान देशीय मुद्रास्फीति की स्थिति नियंत्रणाधीन है. समग्र मूल्य-सूची (डब्ल्यू पी आई) मार्च 2001 के अंत तक के 4.9 प्रतिशत से मार्च 2002 के अंत तक 1.4 प्रतिशत को घट गया है . तथापि उपभोक्ता मूल्य सूची (सीपीआई) में दर्शाये गये के अनुसार मुद्रास्फीति फरवरी 2002 तक बिंदुवार आधार पर 5.2 प्रतिशत एवं औसत आधार पर 4.1 प्रतिशत है.

उच्चतर कृषि कार्यकलाप एवं अत्यधिक खाद्यान्न की अधिप्राप्ति के परिणामस्वरूप जनता के मुद्रा विस्तार की उच्च दर गत वर्ष में 10.8 प्रतिशत (रु 20,468 करोड) के विरुद्ध चालू वर्ष के दौरान 15.2 प्रतिशत (रु 31,890 करोड) है . मुद्रा-पूर्ति (एम 3) में वार्षिक वृद्धि एक वर्ष पहले 16.8 प्रतिशत (रु 1,89,046 करोड) के विरुद्ध 14.0 प्रतिशत (रु 1,83,912 करोड) थी.

बैंकिंग परिदृश्य

सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (ए एस सी बी एस) की कुल जमाराशि मार्च 2001 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के अनुसार रु 9,62,618 के विरुद्ध मार्च 2002 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के अनुसार रु 11,00,454 करोड रही जो 14.32 प्रतिशत की वृद्धि है.

सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एएससीबीएस) का सकल बैंक ऋण मार्च 2001 के अंतिम रिपोर्टिंग के अनुसार रु 5,11,434 करोड से मार्च 2002 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के अनुसार रु 5,85,832 करोड हो गया है जिससे वृद्धि दर 14.55 प्रतिशत हो गयी है . तथापि गैर खाद्य ऋण गत वर्ष 14.9 प्रतिशत (रु 61,176 करोड) की वृद्धि के विरुद्ध 2001-02 के दौरान 12.8 प्रतिशत (रु 60,411 करोड) की कम वृद्धि दर्ज की गयी है जो औद्योगिक उत्पादों में गिरावट को प्रतिबिंबित करता है . चालू वर्ष के दौरान खाद्य ऋण में हुई वृद्धि रु 13,987 करोड गत वर्ष रु 14,300 करोड की वृद्धि के समान है जो बृहत अधिप्राप्ति परिचालन की जारी को प्रतिबिंबित करता है.

भारिबैंक के मुद्रागत एवं ऋण नीति उपाय

भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2001-2002 के लिए मध्यावधि समीक्षा एवं वार्षिक नीति विवरण-अप्रैल 2002 में अनेक कार्रवाइयाँ प्रारंभ की है . कुछ मुख्य बातें एवं सार निम्न प्रकार हैं .

अधिक पारदर्शी सांविधिक पूर्व-क्रय, सरल ब्याज दर, निवेश एवं ऋण संविभाग के लिए एवं विवेकपूर्ण मानदंड कम करने पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है . बैंक दर 7 प्रतिशत से 6.5 तक कम हुई है (22.10.2001 से) एवं सी आर आर 7.5 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत (29.12.2001 से) एवं 5 प्रतिशत तक (01.06.2002 से) सभी आर आर बी को सरकार एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में स्थित समस्त एस एल आर का रखरखाव करने के लिए सलाह दी गयी है.

बैंकों को प्रक्रियागत प्रभार, सेवा प्रभार आदि की स्पष्ट घोषणा करते हुए उधारकर्ताओं के लिए "समस्त लागत संकल्पनना" को स्विचओवर होने के लिए निदेश दिया गया है . उनको पी एल आर पर अधिकतम/न्यूनतम स्प्रेड का प्रचार करने का भी निदेश दिया गया है . मांग एवं सूचना मुद्रा बाजारों में ऋण/उधारों के लिए एवं फॉरेक्स बाजार में उधार/निवेशों के लिए परिशोधित मार्गदर्शी सूत्र जारी किये गये हैं. गैर-एसएलआर निवेश हेतु विवेकपूर्ण मानदंड बनाये गये हैं. पूँजीगत बाजार के समग्र जोखिम हेतु कुल अग्रिम की 5 प्रतिशत उच्चतम सीमा लगायी गयी है .

बैंकों को एन पी ए के लिए प्रबंध किये गये प्रावधानों के उतार-चढाव एवं निवेशों पर मूल्यह्रास के संबंध में "लेखों पर नोटों" में अतिरिक्त प्रकटीकरण का निदेश दिया गया है. एकल उधारकर्ताओं की विवेकपूर्ण एक्सपोजर सीमाएँ कुल पूँजी के 15% पर स्थिर रखी गयी हैं. रु.10 करोड के ऊपर की सीमाओं के लिए बैंकों को नकदी ऋण घटक की वृद्धि कार्यशील पूँजी सीमाओं के 20% से अधिक करने की स्वतंत्रता दी गयी है.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

DIRECTORS' REPORT 2001 - 02

The Board of Directors of the Bank have pleasure in presenting the Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2002.

MACRO ECONOMIC DEVELOPMENTS

The year 2001-02 had been a critical year for Indian Economy. The World Economy itself has slowed down considerably during the year 2001-02 and the recessionary trends were compounded by the adverse impact of September 11, 2001 events on Services and Trade. Consequently, Export growth has suffered and the Industrial profitability has also been affected due to the low commodity and product prices.

Inspite of these adverse impacts, as per the estimate of Central Statistical Organisation (CSO), the Country's GDP growth stood at 5.4% in 2001-02 compared to 4% in 2000-01. This is mainly attributable to the growth of 5.7% recorded by Agriculture and Allied Sectors and 6.5% registered by Services Sector, even though the Industrial Sector lagged behind with a growth rate of only 3.3%.

Foodgrains production is expected to increase to 209 Million Tonnes (MTs) during 2001-02 as against 196 Million Tonnes (MTs) in 2000-01.

India's Foreign Exchange Reserves continued to record a healthy growth during the period under reference on account of moderation in trade deficit and strong capital and other Inflows. Foreign Exchange Reserves stood at US $ 54.1 Billion by the end of March 2002 as against US $ 42.3 Billion during the previous year. Foreign Currency Assets accounted for 97% increase in Foreign Exchange Reserves, which is the highest increase recorded in a single year and is an evidence of the strong domestic and International confidence in India's capability for management of its Balance of Payments (BOP) position effectively. The External Debt-GDP Ratio decreased to 21% as at the end of September, 2001 from 28.7% as at the end of March, 1991.

The domestic Inflationary situation during 2001-02 was well under control. The Wholesale Price Index (WPI) declined from 4.9% as at the end of March 2001 to 1.4% by the end of March 2002. However, the Inflation as reflected by the Consumer Price Index (CPI) was higher on a point-to-point basis at 5.2% and on averages basis at 4.1.% upto February, 2002.

Higher Agricultural activity and larger procurement of foodgrains has resulted in a higher rate of currency expansion with Public at 15.2 percent (Rs.31,890 Crore) during the current year as against 10.8 percent (Rs.20,468 Crore) in the previous year. The annual growth in Money Supply (M3) was at 14.0 percent (Rs.1,83,912 Crore) as against 16.8 percent (Rs.1,89,046 Crore) a year ago.

BANKING SCENARIO

The Aggregate Deposits of All Scheduled Commercial Banks (ASCBs) stood at Rs.11,00,454 Crore as on the last reporting Friday of March 2002 as against Rs.9,62,618 Crore as on the last reporting Friday of March 2001, registering a growth of 14.32%.

The Gross Bank Credit of All Scheduled Commercial Banks (ASCBs) which was at Rs.5,11,434 Crore as on the last reporting Friday of March 2001 has gone up to Rs.5,85,832 Crore as on last reporting Friday of March 2002, thereby showing a growth rate of 14.55%. However, during 2001-02, the Non-food Credit registered a lower growth of 12.8 percent (Rs.60,411 Crore) as against an increase of 14.9 percent (Rs.61,176 Crore) in the previous year, reflecting a deceleration in Industrial production. The increase in Food Credit at Rs.13,987 Crore during the current year was similar to the increase last year of Rs.14,300 Crore, reflecting continued large scale procurement operations.

MONETARY AND CREDIT POLICY MEASURES OF RBI

The Reserve Bank of India has initiated several measures in its Mid-Term Review for the year 2001-02 and Annual Policy Statement - April, 2002. The following are some of the salient features and gist of the above policies:

The focus continued to be on reducing the Statutory Pre-emptions, easing Interest rates, greater transparency and more prudential norms for Investment and Loan Portfolios. Bank Rate was reduced from 7% to 6.5% (from 22.10.2001) and CRR from 7.5% to 5.5% (from 29.12.2001) and to 5% (from 01.06.2002). All RRBs were advised to maintain their entire SLR holding in Govt. and Other approved securities.

Banks have been directed to switch over to "All Cost Concept" for borrowers by explicitly declaring processing charges, service charges, etc. They have also been directed to publicise the maximum/minimum spreads over PLR. Revised guidelines for Lendings/Borrowings in Call and Notice Money Markets and for Borrowings/Investments in Forex Markets have been communicated. Prudential norms for Non-SLR Investments have been put in place. A ceiling of 5% of Total Advances has been imposed for Capital Market exposures.

Banks have been directed to make additional disclosures in the "Notes on Accounts" in respect of movement of provisions held towards NPAs and depreciation on Investments. Prudential exposure limit to Individual borrowers has been pegged at 15% of Total Capital. For limits over Rs.10 Crore, Banks have been given the freedom to increase the Cash Credit component beyond 20% of Working Capital limits.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भा.रि.बैंक ने सूचित किया है कि चालू वर्ष के दौरान सुलभ ब्याज दर प्रणाली जारी रहने की संभावना हैं .

बैंक का कार्यनिष्पादन - मुख्य मुख्य बातें

- वर्ष का परिचालन लाभ एवं शुद्ध लाभ रु. 425.38 करोड एवं रु. 202.27 करोड है जो गत वर्ष के तुलनात्मक आँकडों पर क्रमशः 71% एवं 67% की वृद्धि है.
- बैंक का कुल व्यवसाय गत वर्ष के 25,992 करोड से 9.54%वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु.28472 करोड तक बढ गया है (कुल जमा - रु.18,491 करोड एवं सकल बैंक ऋण रु.9981 करोड)
- कुल जमाराशि जो 31.03.2001 को रु.17,973 करोड थी 31.03.2002 को रु.18,303 करोड बढ गयी. परिपक्वता पर अधिमानी ब्याज दर कुल रु.1961 करोड के साथ जमाराशि अदा करने का सचेतन निर्णय कम वृद्धि का कारण है.
- कुल जमाराशियों (जमाराशियों पर अधिमानी ब्याज लागू जमाराशियों को छोडकर) की वृद्धि दर 17.3%.
- सकल बैंक ऋण 31.03.2001 को रु.7700 करोड से बढकर 31.03.2002 को रु.9981 करोड हो गया है जो वर्ष के दौरन 29.62% की वृद्धि है.
- बैंक ने अपने ऋण जमा अनुपात में गत वर्ष के दौरान 42.84% के विरुद्ध 31.03.2002 को 54.53% तक बढ़ाया से 46.03% एवं निवेश जमा अनुपात में तदनुरूप कमी 55.1%.
- बैंक का प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय गत वर्ष रु. 153.62 लाख से 31.03.2002 को रु.195.96 लाख बढ गया है.
- बैंक का ग्राहक आधार 10 मिलियन पार किया है.
- शुद्ध अग्रिमों का शुद्ध एन पी ए गत वर्ष 2.95% से 31.03.2002 को 2.45% तक और घट गया. सकल एनपीए पर भरपूर प्रावधान में गत वर्ष 52.92% की तुलना में इस वर्ष 54.22% का पर्याप्त मात्र में सकल एनपीए का प्रावधान है.
- वर्ष के दौरान बैंक ने 51 शाखाएँ खोली हैं एवं 2 शाखाएँ विलयन की हैं जिससे शाखाओं की संख्या गत वर्ष की 1020 से 1069 शाखाएँ हो गयीं. 31.03.2002 के अंत तक 1069 शाखाएँ, 102 विस्तार काउण्टर एवं 44 अनुषंगी कार्यालय जो 19 राज्यों एवं 2 संघ राज्यों में फैले हुए हैं
- वर्ष के दौरान बैंक ने 5 विशेष आवास वित्त शाखाएँ एवं एक कॉर्पोरेट वित्त शाखा खोली है एवं विद्यमान दो शाखाओं को विशेष कृषि वित्त शाखाओं में परिवर्तित किया है तद्वारा विशेष शाखाएँ गत वर्ष में बाईस (22) की तुलना में 31.03.2002 को तीस (30) हो गयी हैं.
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम मार्च 2001 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को रु.2739 करोड से मार्च 2002 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को रु.3401 करोड हो गये जो 24.17% की वृद्धि है. समायोजित शुद्ध बैंक ऋण के प्रतिशत के रूप में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम 38.44 है.
- कृषि अग्रिम मार्च 2001 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के रु.1049 करोड, 32.4% वृद्धि का दर्ज करते हुए, मार्च 2002 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को रु.1389 करोड हो गये समायोजित शुद्ध बैंक ऋण को प्रतिशत के रूप में कृषि अग्रिम 15.70% है.
- 10% निर्धारित मानदंड के विरुद्ध समायोजित शुद्ध बैंक ऋण को प्रतिशत के रूप में कमजोर वर्ग के अग्रिम 10.1 प्रतिशत है.
- वर्ष के दौरान, विद्यमान शाखाओं के अंगभूत अंश के रूप में 175 वैयक्तिक बैंकिंग केन्द्र (पीबीसी) व्यक्ति ग्राहकों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ही खोले गये हैं. उन्होंने 63,700 एकल उधारकर्ताओं के जरिए ऋणों में रु.502 करोड मंजूर किया है.
- बैंक ने अपने कार्मिकों को बढती ग्राहक प्रत्याशाएँ पूरी करने के लिए मनोभाव के पुनः स्थापन एवं नयी कार्य संस्कृति के अनुरूप मनोवृत्ति में वांछित परिवर्तन लाने के लिए "ग्राहक अवधान एवं व्यक्तित्व विकास" पर विशेष प्रशिक्षण दिया है.
- ग्राहक सेवा में सुधार के लिए विद्यमान/संभाव्य ग्राहकों के साथ संपर्क बढाने के लिए भी ग्राहक संपर्क अधिकारी की संकल्पना प्रारंभ की गयी एवं कार्यभार संभालने के लिए 100 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया . ये सी आर ओ संबंधित नियंत्रक कार्यालयों से जुडे हैं एवं बैंक की सेवा के विपणन के लिए इन्हें ग्राहकों के साथ पारस्परिक चर्चा करने हेतु निर्दिष्ट क्षेत्र दिये गये हैं.
- वर्ष 2001 - 02 के दौरान आन्ध्र प्रदेश में स्वयं सहायक दल (एसएचजी) - बैंक संयोजन कार्यक्रम के लिए बैंक नंबर 1 की स्थिति में है. बैंक ने गत वर्ष में 17,353 एसएचजी के विरुद्ध 27,349 एसएचजी को वित्त पोषित किया है.
- खाद्यान्नों को भंडार में रखते की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ग्रामीण गोदमों के लिए वित्तपोषण में बैंक आन्ध्र प्रदेश में नंबर 1 स्थान प्राप्त किया है.
- बैंक ने कृषि की अद्यतन प्रवृत्ति पर तकनीकी जानकारी देने के लिए आन्ध्र प्रदेश में 311 विकास स्वयं सेवक वाहिनी (वीवीवी)/कृषक क्लब संगठित किये हैं.
- राजमंड्री में आन्ध्रा बैंक ग्रामीण विकास संस्था (एबर्ड) के अलावा बैंक ने वर्ष के दौरान मचिलीपट्टणम में और एक ग्रामीण विकास संस्था खोली है जिसका नाम डॉ पट्टाभि स्मारक ग्रामीण विकास संस्था. श्रीकाकुलम (आ.प्र) एवं ब्रह्मपुर (उडीसा) में दो और ग्रामीण विकास संस्थाएँ खोलने का प्रस्ताव है. ये संस्थाएँ सवारी भत्ता, मुफ्त भोजन एवं आवास सुविधाएँ देते हुए कृषक/कारीगर एवं समाज के अन्य कमजोर वर्गों को प्रशिक्षण देती हैं.
- बैंक ने डब्लूटीओ परिदृश्य के बाद उसके अनुरूप बने रहने के लिए किसानों को तकनीकी ज्ञान के प्रचार के लिए 411 कृषक बैठकें आयोजित की हैं.
- बैंक ने वर्ष के दौरान 1.93 लाख किसान ऋण कार्ड (के सी सी) जारी किये हैं जो 1.89 लाख के सी सी के लक्ष्य को पार किया है. 1998

www.reportjunction.com